



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-11-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-11-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 2025-11-08 | 2025-11-09 | 2025-11-10 | 2025-11-11 | 2025-11-12 |
|--------------------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 28.2 | 26.9 | 26.9 | 26.5 | 26.2 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 21.0 | 19.1 | 18.8 | 18.4 | 18.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 66 | 59 | 61 | 60 | 54 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 25 | 30 | 24 | 25 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 9.2 | 9.2 | 9.1 | 9.1 | 8.7 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 309 | 301 | 288 | 288 | 277 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में गिरावट के आसार हैं। हालांकि, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

NIL

सामान्य सलाहकार:

किसानों को शीघ्र पकने वाली परिपक्व धान की कटाई करनी चाहिए। देर से बोई गई धान में बालियों के दूधिया होने तक, पानी की संतृप्ति बनाए रखने के लिए, धान के खेतों में 5 सेमी पानी रखना चाहिए। सुबह और दोपहर के समय फसलों पर कीटनाशकों का छिड़काव करें। धान में गंधी बग और बीपीएच के संक्रमण पर नज़र रखें। शीतकालीन सब्जी फसलों के लिए नर्सरी की बुवाई पूरी करें। सुबह और शाम के समय सब्जी नर्सरी में सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

सितंबर के महीने में बोई गई तोरिया की फसल फूल आने से पहले की अवस्था में है अतः किसान भाई यूरिया का भुरकाव शीर्ष ड्रेसिंग के माध्यम से करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|------|--|
| चावल | मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें। |
| चना | चना की फसल लेने हेतु, अगात खरीफ फसल कटनी के बाद खेत की तैयारी कर ले, माध्यम खेत जिसमें पानी का जमाव ना हो, उपयुक्त होती है। उन्नत किस्मे है - देसी चना के लिए - बी. जी. 3043, जी. एन. जी. 2207, बिरसा चना 3; काबुली चना के लिए - एच. के. 94 - 134, काक 2; बुवाई की दुरी 30 X 10 सेंटीमीटर रखें। बीज दर - 28 से 32 किलोग्राम प्रति एकड़ देशी चना के लिए और 36 से 40 किलोग्राम प्रति एकड़ काबुली चना के लिए। |

बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|--|
| गोभी | फूलगोभी तथा पत्तागोभी की नर्सरी में नमी की अधिकता के कारण आद्र गलन की समस्या आ रही हो तो इनके बचाव हेतु किसान भाई फफूंदनाशक कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव 3 ग्राम प्रति लिटर पानी के दर से करें। |
| आलू | जो किसान अगात आलू की खेती करना चाहते हैं, वे उत्तम किस्म का बीज, उर्वरक आदि का प्रबंध करें। अगात आलू की अनुशंसित किस्म कुफरी अशोका या कुफरी पुखराज में से किसी एक का चुनाव करें। एक एकड़ में बोआई के लिए 12 किंटल बीज, (20-30 ग्राम का अंकुरित कन्द), 40 किलोग्राम यूरिया, 70 किलोग्राम डी.ए.पी., 80 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश तथा 10 किलोग्राम गंधक की आवश्यकता होती है। |
| मटर | जो किसान अगात मटर की खेती करना चाहते हैं, वे उत्तम किस्म का बीज, उर्वरक आदि का प्रबंध करें। अगात मटर की अनुशंसित किस्म आरकेल का चुनाव करें। एक एकड़ में बोआई के लिए 40 किलोग्राम बीज, 35 किलोग्राम यूरिया, 200 किलोग्राम एस.एस.पी. तथा 25 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश की आवश्यकता होती है। |

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---------------------------|---|
| कृषि क्षेत्र | चना, मटर या मसूर की बुआई से पहले बीजों को फफूंदनाशी जैसे बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम या थीरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशकों एवं कीटनाशकों से उपचारित बीजों को छाया में 6-8 घंटे तक सुखाने के बाद जैविक फफूंदनाशक ट्राइकोडर्मा 5 ग्राम तथा स्पूडोमोनास 10 ग्राम से उपचारित करें। |

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

NIL

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

NIL

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>